Ruling regarding zero hour

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, शून्यकाल के अंदर मैं आज व्यवस्था दे रहा हूं । शून्यकाल में आपने जिस विषय पर लिखा है, उस विषय के अलावा आप कुछ नहीं बोल सकते हैं । अगर आपको बोलना है तो मेरी परमिशन लीजिए, मैं परमिशन दूंगा तो बोल सकते हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं आपको मौका दूंगा । दूसरा विषय, अभी आपको मौका दे रहे हैं । शून्यकाल में जब नये सदस्य भी आएं, शून्यकाल में जब विषय लिखें तो पूरा क्लियर लिखें, स्पष्ट लिखें । एडवोकेट डीन कुरियाकोस ने पूरे विषय को ठीक से नहीं लिखा था । आप वरिष्ठ सदस्य हो गए हैं, दूसरी बार के सदस्य हो गए हैं, आप सब्जेक्ट को पूरा लिखें, मेरे पास स्लॉट पटल भी आया था कि सूचना स्पष्ट नहीं है तो भी मैंने एलाऊ किया है । लेकिन विषय स्पष्ट रखें । ये दो व्यवस्थाएं हैं, जो हमेशा लागू रहेंगी ।